



समसामयिकी टेस्ट -13

1. शून्यकाल के संदर्भ में विचार करें-

1. प्रश्नकाल के उपरांत निर्धारित समय।
2. दोनों में से किसी भी सदन के सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय महत्व के अथवा लोगों की गंभीर शिकायतों के विषयों पर प्रश्न उठाए जा सकते हैं।
3. शून्यकाल के दौरान पूछे जाने वाले प्रश्न केवल एक दिन पहले परिचालित किए जाते हैं।
4. इसके उद्गम का औचित्य, नियमों व पद्धतियों से परे लोकतांत्रिक चर्चा की अनुमति देने में है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

- (a) 1, 2 और 4
(b) 2 और 4
(c) 1 और 3
(d) उपरोक्त सभी

व्याख्या: प्रश्न काल -

प्रत्येक संसदीय बैठक का पहला घंटा प्रश्न काल का होता है। इस समय में सदस्य प्रश्न पूछते हैं और मंत्री इन प्रश्नों के उत्तर देते हैं। प्रश्न तीन तरह के होते हैं -

तारांकित (Starred) इन प्रश्नों के उत्तर सदन में मौखिक रूप से दिए जाते हैं, और इसके साथ-साथ अनुपूरक (supplementary) प्रश्न भी पूछे जाते हैं।

गैर-तारांकित (unstarred) इस कारण इन प्रश्नों के अनुपूरक प्रश्न नहीं पूछे जाते हैं।

अल्पसूचना (short notice) वह प्रश्न है जो लोक महत्व का हो और इस प्रश्न के लिए निर्धारित दस दिन की अवधि से कम अवधि देकर पूछा जाता है। इसका जवाब मौखिक रूप से दिया जाता है।

शून्यकाल

प्रश्नकाल के खत्म होने के साथ ही शून्यकाल का समय शुरू हो जाता है। चूंकि यह बारह बजे दोपहर (00:00) से शुरू होता है, इसलिए शून्यकाल नाम से जाना जाता है। इसकी अवधि निश्चित नहीं होती और यह कार्यवली (regular business) के शुरू होने तक चलती है।

इसमें बिना किसी पूर्व सूचना के सदस्यों द्वारा लोक महत्व के मुद्दे उठाए जाते हैं। संसदात्मक कार्यवाही में यह भारत द्वारा अपनाई गई नवीन (innovative) पद्धति है।

2. अनुच्छेद-48 के अंतर्गत कृषि और पशुपालन के संगठन के बारे में विचार करें-

1. राज्य देश के पर्यावरण के संरक्षण तथा संवर्द्धन का प्रयास करेगा।
2. राज्य कृषि व पशुपालन को आधुनिक व वैज्ञानिक प्रणालियों से संगठित करने का प्रयास करेगा।
3. राज्य, वन व वन्यजीवों की रक्षा करने का प्रयास करेगा।
4. राज्य, गायों और बछड़ों तथा अन्य दुधारू और वाहक पशुओं की नस्लों के परिरक्षण व सुधार के लिए और उनके वध का प्रतिषेध करने के लिए कदम उठाएगा।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

- (a) 1 और 2
- (b) 1, 2 और 3
- (c) 1 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

3. जैव भार ऊर्जा (Biomass Energy) के संदर्भ निम्न कथनों पर विचार करें-

1. जैवभार ऊर्जा संचित सौर ऊर्जा का एक रूप है।
2. जैवभार के उपयोग के तीन तरीके हैं, जिसमें मिथेन फरमेन्टेशन प्रमुख है।
3. जैवभार जीवाश्म ईंधनों के मुकाबले ज्यादा वायु प्रदूषण पैदा करता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

- (a) 1 और 3
- (b) 1 और 2
- (c) 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

4. सुपोषण से संबंधित कथनों पर विचार करें-

1. पोषक तत्वों की अधिकता के कारण जलाशय में होने वाली अत्यधिक वृद्धि।
2. इसमें जलाशय के अंदर ऑक्सीजन का स्तर कम हो जाता है।
3. इससे जलीय जीवों को लाभ मिलता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) 1 और 2

व्याख्या: सुपोषण किसी जलाशय को पोषक तत्वों से समृद्ध करना सुपोषण (Eutrophication) कहलाता है। सुपोषण की प्रक्रिया में जलाशय में पौधों तथा शैवाल (algae) का विकास होता है। इसके अलावा जल में बायोमास की उपस्थिति के कारण उस जल में ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है। इसका एक उदाहरण जल में पोषक तत्वों के उच्च स्तर के कारण उसमें 'ब्लूम' पैदा होना है। सुपोषण प्रायः जलीय तंत्र में फॉस्फेट-युक्त डिटरजेन्टों, उर्वरकों और मलजल के मिलने के कारण उत्पन्न होता है।

5. न्यायालय अवमानना से संबंधित कथनों पर विचार करें-

1. न्यायालय अवमानना अधिनियम 1971 में अवमानना को परिभाषित किया गया है।
2. न्यायिक कार्यवाही में बाधा डालना।

3. न्यायिक प्रशासन को अवरोधित करना।
4. न्यायालय की प्रतिष्ठा को धूमिल करना।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

- (a) 1, 2 और 3
- (b) 2, 3 और 4
- (c) 2 और 3
- (d) उपर्युक्त सभी

व्याख्या: किसी न्यायालय या न्यायधीश द्वारा दिये गये निर्णय की अवहेलना करना या निरादर करना न्यायालय की अवमानना (Contempt of court) कहलाता है। यह एक अपराध है। यह दो तरह का होता है -

1. किसी न्यायधीश का निरादर करना, न्यायालय में उपद्रव (अशांति) फैलाना (विशेष रूप से, न्यायधीश की चेतावनी देने के बावजूद)
2. किसी न्यायालय के आदेश का जानबूझकर पालन न करना।

6. राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति की आवश्यकता किन विधेयकों को नहीं होती है।

1. अंतर्राज्यीय व्यापार वाणिज्य के स्वतंत्रता के रोक से संबंधित विधेयक।
2. संविधान संशोधन विधेयक।
3. वित्त विधेयक।
4. राज्यों के सीमा क्षेत्र में परिवर्तन संबंधी विधेयक।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

- (a) 1 और 2
- (b) 2 और 3
- (c) 2 और 4
- (d) 3 और 4

7. खाद्य प्रसंस्करण (Food Processing) से संबंधित कथनों पर विचार करें-

1. खाद्य प्रसंस्करण में वे सभी प्रक्रियायें आती हैं जिससे कि खाद्य पदार्थ खेत से लेकर उपभोक्ता की प्लेट तक से आकर गुजरता है।
2. भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का रेगुलेशन कृषि मंत्रालय करता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

व्याख्या: खाद्य प्रसंस्करण घर या खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में मानव या पशुओं के उपभोग के लिए कच्चे संघटकों को खाद्य पदार्थ में बदलने या खाद्य पदार्थों को अन्य रूपों में बदलने के लिए प्रयुक्त विधियों और तकनीकों का सेट है। भारतीय खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएफपीटी) खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त अनुसंधान और विकास एवं शैक्षणिक संस्था है। देश में हित धारकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार आई आई एफ पी टी की मुख्य गतिविधियां हैं

8. सब्सिडी (सहायिकी) से तात्पर्य है-

- (a) वह भुगतान जो उत्पादक को बाजार कीमत की अनुपूर्ति के लिए किए जाए।
- (b) वह भुगतान जो न्यूनतम समर्थन मूल्य के रूप में उत्पादक को दिया जाए।
- (c) वह खरीद मूल्य जो भारतीय खाद्य निगम उत्पादक को प्रदान करें।
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

व्याख्या: सब्सिडी का अर्थ

सरकार द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता को सब्सिडी कहा जाता है, सरल शब्दों में कहें तो सरकार द्वारा किसी व्यक्ति, व्यवसाय या संस्था को दिए जाने वाले लाभ को सब्सिडी कहते हैं, सब्सिडी आमतौर पर एक नकद भुगतान या कर कटौती के रूप में दी जाती है। सरकार द्वारा सब्सिडी लोगों पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ को कम करने के मकसद से दी जाती है और इसे अक्सर सामाजिक या आर्थिक नीतियों को बढ़ावा देने के लिए दिया जाता है।

भारत में प्रदान की जाने वाली सब्सिडी काफी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए मिलती है, इसमें ऋण की राशि, ब्याज दर, कुल लागत, उत्पाद एवं सरकारी सम्बन्धी कार्यों में होने वाले व्यय को मिलाकर सरकार एक निश्चित फार्मूले के जरिए सब्सिडी की राशि तय करती है।

9. निम्न कथनों पर विचार करें-

1. राष्ट्रीय आय के अनुमान की दो विधियां हैं- आय विधि और व्यय विधि।
2. राष्ट्रीय आय की गणना करते समय विदेशी पर्यटकों द्वारा भारत में किया गया व्यय राष्ट्रीय आय में से घटा देते हैं।
3. केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन गृह मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

- (a) 1 और 2
- (b) 2 और 3
- (c) 1, 2 और 3
- (d) इनमें से कोई नहीं

व्याख्या: किसी देश की उत्पादन व्यवस्था से अंतिम उपभोक्ता के हाथों में जाने वाली वस्तुओं या देश के पूँजीगत साधनों के जोड़ को ही राष्ट्रीय आय कहते हैं। किसी देश के नागरिकों का सकल घरूले एवं विदेशी आउटपुट सकल राष्ट्रीय आय कहलाता है।

राष्ट्रीय आय की गणना विधि

आय विधि

व्यय विधि

उत्पादन विधि

केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।

10. निम्न कथनों पर विचार करें-

1. मुद्रास्फीति वह स्थिति है, जिसमें वस्तुओं के मूल्य में कमी आती है तथा मुद्रा का मूल्य में बढ़ोत्तरी होती है।
2. मुद्रास्फीति से अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जबकि मुद्रा संकुचन से सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

व्याख्या: मुद्रास्फीति का अर्थ जब किसी अर्थव्यवस्था में सामान्य कीमत स्तर लगातार बढ़े और मुद्रा का मूल्य कम हो जाए। यह गणितीय आकलन पर आधारित एक अर्थशास्त्रीय अवधारणा है जिससे बाजार में मुद्रा का प्रसार व वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि या कमी की गणना की जाती है।